



DEPARTMENT OF MUSIC

Cordially invites you to the Inaugural Session of the

National Workshop on

Sitar, Kathak & Semi - Classical Dance

हमारी संस्कृति, हमारी धरोहर



Sitar Recital by
Pt. Harvinder Kumar Sharma
From Chandigarh, Punjab
11:00 AM - 1:00 PM



Dance Workshop by
Kathak Guru Ashish Singh
From Vrindavan, U.P.
2:00 - 4:00 PM

Date : 15 April to 21 April 2025

Inaugural Ceremony : 10:30 AM Seminar Hall (2nd Floor)



Sponsored by - AIMERS Defence Academy

47, Sewak Asharam Road, Kanya Gurukul Campus, Dehradun

कार्यशाला का प्रथम दिवस

आज कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में सप्त दिवसीय कार्यशाला हमारी संस्कृति हमारी धरोहर सितार, कथक एवं सेमी क्लासिकल डांस का शुभारंभ किया गया जिसमें दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की आराधना से कार्यक्रम का शुभारंभ वी.सी. प्रोफेसर हेमलता के, पंडित हरविंदर कुमार शर्मा, प्रो हेमन पाठक एवं प्रांशु जी, डॉ० ममता यादव एवं डॉ० सरिता नेगी के द्वारा किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में पंडित डॉ० हरविंदर कुमार शर्मा एवं उनके शिष्य शरणजीत मांड जी ने सितार की सुंदर प्रस्तुति से सभी के मन को झंकृत किया जिसमें राग बिलावल, दुर्गा राग नंद राग पहाड़ी, यमन उपशास्त्रीय विधाएं आदि से सभी को रूबरू कराया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कथक गुरु आशीष सिंह द्वारा गुरु वंदना, तत्कार, भूमि प्रणाम एवं वृंदावन की होली को छात्र एवं सभी शिक्षक गण को विधिवत शिक्षा दी।







कार्यशाला का द्वितीय दिवस

आज वृंदावन से पधारे प्रतिभावान प्रसिद्ध कथक नर्तक आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर बच्चों ने कथक नृत्य के पारंपरिक प्राचीन परंपरा के अनुसार तोड़े टुकड़े वंदना नमस्कार का टुकड़ा तिहाई कविता आदि की शिक्षा प्रदान की। कार्यशाला में कॉलेज की अध्यापिकाओं ने भी भागीदारी की। कार्यशाला दो भागों में किया जा रहा है। 50 से 60 बच्चों और महिलाओं ने भागीदारी की है। इसमें डॉ० हेमन पाठक, डॉ० ममता यादव, डॉ० सरिता नेगी डॉ० अर्चना चौहान, डॉ० अर्चना डिमरी, डॉ० रचना पांडे, डॉ० बबीता शर्मा, एवं डॉ० श्वेता त्रिपाठी उपस्थित थी।

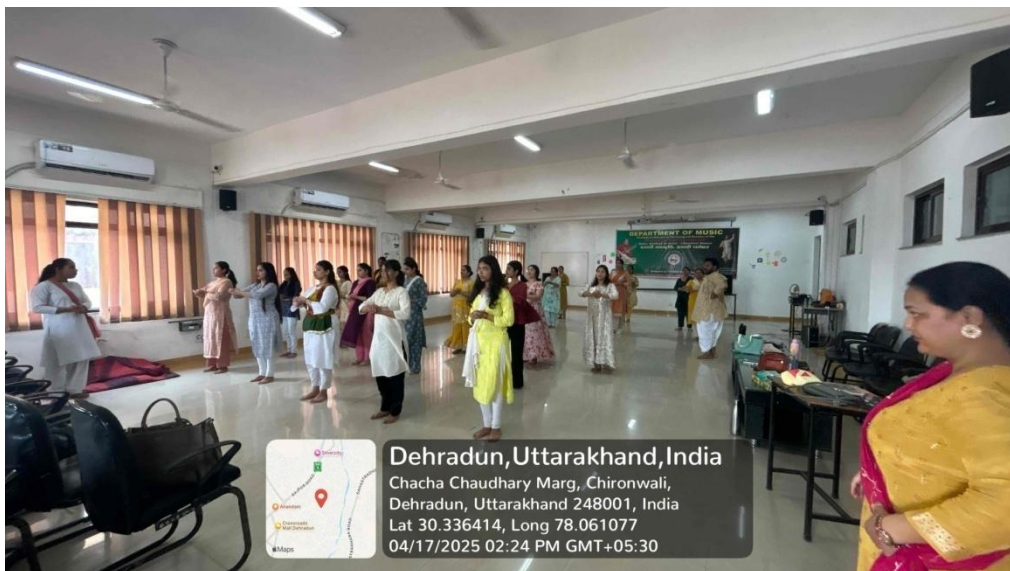




कार्यशाला का तृतीय दिवस

वृंदावन के प्रसिद्ध कथक नर्तक आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के तृतीय दिवस पर बच्चों ने कथक नृत्य के पारंपरिक प्राचीन परंपरा के अनुसार तोड़े टुकड़े गुरु वंदना नमस्कार का टुकड़ा तिहाई, तीन ताल में निर्मित सादा टुकड़ा आदि की शिक्षा प्रदान की। कथक गुरु आशीष सिंह कहते हैं कि हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी लोगों को एक साथ मिलकर अपनी संस्कृति भारतीय सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों को आगे लाकर नृत्य की तालीम दिलानी चाहिए कार्यशाला में कॉलेज की अध्यापिकाओं ने भी भागीदारी की। कार्यशाला दो भागों में किया जा रहा है। 50 से 60 बच्चों और महिलाओं ने भागीदारी की है। इसमें डॉ० हेमन पाठक, डॉ० ममता यादव, डॉ० सरिता नेगी, डॉ० प्रवीण चतुर्वेदी, डॉ० नीना गुप्ता अर्चना चौहान, डॉ० अर्चना डिमरी, डॉ० रचना पांडे, डॉ० बबीता शर्मा, डॉ० सविता एवं डॉ० श्वेता त्रिपाठी उपस्थित थी।





कार्यशाला का चतुर्थ दिवस

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के चतुर्थ दिवस पर पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज जी की शिष्या श्रीमती संगीता सिंह जी के शिष्य आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कहा देहरादून में जहां एक तरफ युवा विद्यार्थी कथक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे वहीं महिलाएं भी पीछे नहीं हैं पूरे जोश के साथ कथक नृत्य की तालीम सीख रही हैं गिनती की तिहाई, तीन ताल की जानकारी के साथ हस्त मुद्राओं का सुंदर चलन भी सीख रहे हैं। इस मौके पर परिसर की समन्वयक प्रोफेसर हेमन पाठक, डॉ० ममता यादव, डॉ० सरिता नेगी, डॉ० नीना गुप्ता, डॉ० अर्चना डिमरी, डॉ० रचना चौहान, इत्यादि मौजूद रहे।





कार्यशाला का पंचम दिवस

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के पंचम दिवस पर वृंदावन धाम से पधारे आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कहा देहरादून में जहां एक तरफ युवा विद्यार्थी कथक में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे वहीं महिलाएं भी पीछे नहीं हैं, उम्र के दायरे को पीछे छोड़ भारतीय संस्कृति शास्त्रीय नृत्य कथक को पूरे जोश के साथ सीख रही हैं। ये जज़्बा ये बताता है कि सीखने की कोई उम्र की सीमा नहीं होती। आज उन्होंने ठुमरी मोहे पनघट पर नंदलाल छेड़ गयो रे पर नृत्य की तालीम प्राप्त की इस मौके पर परिसर की समन्वयक प्रोफेसर हेमन पाठक, प्रोफेसर नूपुर सिंह, डॉ० ममता यादव, डॉ० सरिता नेगी, डॉ० नीना गुप्ता, डॉ० रीना वर्मा, डॉ० श्वेता त्रिपाठी, डॉ० रचना पांडे, डॉ० बबीता शर्मा, डॉ० रेखा, कुमारी दीपिका आदि।





Dehradun, Uttarakhand, India

Chacha Chaudhary Marg, Chironwali,
Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336375, Long 78.060991
04/19/2025 02:08 PM GMT+05:30

कार्यशाला का षष्ठम दिवस

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के षष्ठम दिवस पर वृंदावन धाम से पधारे आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कहा देहरादून में जहां एक तरफ युवा विद्यार्थी कथक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे वहीं महिलाएं भी पीछे नहीं हैं, उम्र के दायरे को पीछे छोड़ भारतीय संस्कृति शास्त्रीय नृत्य कथक को पूरे जोश के साथ सीख रही हैं। ये जज्बा ये बताता है कि सीखने की कोई उम्र की सीमा नहीं होती। आज उन्होंने ठुमरी मोहे पनघट पर नंदलाल छेड़ गयो रे पर नृत्य की तालीम प्राप्त की।





DEPARTMENT OF MUSIC

Cordially invites you to the closing ceremony of the

National Workshop on

Sitar, Kathak & Semi-Classical Dance

हमारी संस्कृति हमारी धरोहर



*Sitar recital by
Pt. Harvinder Kumar Sharma
From Chandigarh, Punjab*



*Dance Workshop by
Kathak Guru Ashish Singh
From Vrindavan, U.P.*

Date: 15 April to 21 April 2025

Closing Ceremony: 10:30 AM Seminar Hall(2nd Floor)

Guest of Honor: Mr Hemraj Singh Saini(Chairman HSS and Aimers Group)

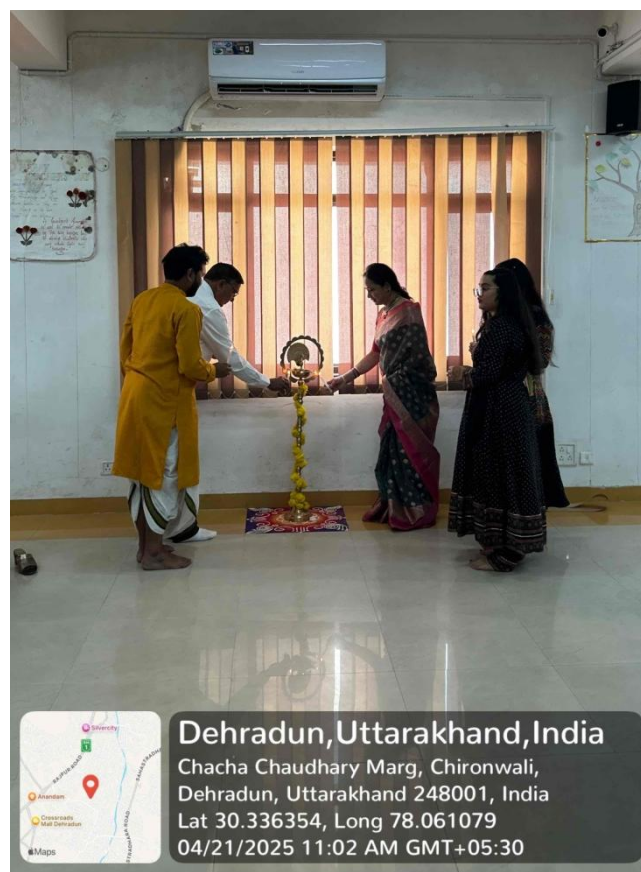
Sponsored by: AIMERS Defence Academy



47, Sewak Ashram Road, Kanya Gurukul Campus, Dehradun

कार्यशाला का अंतिम समापन दिवस

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कथक कार्यशाला का आज समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की आराधना से कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हेमराज सिंह सैनी अध्यक्ष HSS ग्रुप और AIMERS ग्रुप समन्वयक प्रोफेसर हेमन पाठक, कथक गुरु आशीष सिंह, डॉ० ममता यादव एवं डॉ० सरिता नेगी के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त छात्राओं द्वारा प्रस्तुति दी गई थी जिसमें वृंदावन धाम से पधारे प्रसिद्ध कथक नर्तक आशीष सिंह (नृत्य मंजरी दास) जी ने कहा देहरादून में कथक कार्यशाला के आयोजन से हमारे नृत्य में जहां एक तरफ युवा विद्यार्थियों ने तालीम प्राप्त की वही महिलाओं ने भी समय निकाल कर अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को बाहर निकाला। महिलाएं भी पीछे नहीं रही हैं, उम्र के दायरे को पीछे छोड़ भारतीय संस्कृति शास्त्रीय नृत्य कथक को पूरे जोश के साथ किया। ये जज़्बा ये बताता है कि सीखने की कोई उम्र की सीमा नहीं होती। इस मौके पर उपस्थित प्रोफेसर निपुर सिंह, प्रोफेसर रेणु शुक्ला, डॉ० प्रवीणा चतुर्वेदी, डॉ० नीना गुप्ता, डॉ० सविता, डॉ० निशा यादव, डॉ० सुनीति, डॉ० रीना वर्मा, डॉ० रचना चौहान, डॉ० रचना पांडे, डॉ० बबीता शर्मा, डॉ० रेखा, कुमारी दीपिका आदि मौजूद रहे।











कथक की बारीकियां सीखती छात्राएं और शिक्षिकाएं। स्रोत : आयोजक

छात्राओं संग शिक्षिकाओं ने भी सीखीं कथक की बारीकियां

की
रह
के
नाने

देहरादून। कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून के संगीत विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में छात्राओं संग शिक्षिकाओं ने भी कथक की बारीकियां सीखीं।
वृंदावन से आए प्रसिद्ध कथक नर्तक आशीष सिंह ने कहा, हमारी संस्कृति को

आगे बढ़ाने के लिए सभी लोगों को आगे आना होगा।
साथ मिलकर अपनी संस्कृति भारतीय सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों को आगे लाकर नृत्य की तालीम दिलानी चाहिए। इस मौके पर डॉ. हेमन

पाठक, डॉ. ममता यादव, डॉ. सरिता नेगी, डॉ. प्रवीण चतुर्वेदी, डॉ. नीना गुप्ता, अर्चना चौहान, डॉ. अर्चना डिमरी, डॉ. रचना पांडे, डॉ. बबीता शर्मा, डॉ. सविता, डॉ. श्वेता त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। संवाद

संवाद दैनिक क्राइम स्टोरी

देहरादून शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

(6)

भाजपा की वक्फ कानून पर कार्यशाला पर कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया नफरत फैलाना भाजपा का एक मात्र उद्देश्य

देहरादून(नगर संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा वक्फ कानून पर अपने पार्टी मुख्यालय में कार्यशाला आयोजित करने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगमन व प्रशासन सूर्यकांत धमना ने कहा कि देश व राज्य की जनता की समस्याओं के समाधान में विपक्ष भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों ने अब जनता का ध्यान महंगाई बेरोजगारी गिरती हुई जीडीपी अमरीकी राष्ट्रपति द्वारा फैलाई जा रहे वैरिफेरेर से हटाने का नया हथियार वक्फ कानून को बना लिया है इसीलिए अब इस पर घर घर वृहस शुरू करवा कर वो असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने का अभियान शुरू कर रही हैं।

यहाँ आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सूर्यकांत धमना ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है और बेरोजगारी जीवन सरकार के प्रति आक्रोशित हो रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई से आम आदमी परेशान है और खाने के तेल भी मसाले अनाज सब्जियाँ सब के दाम अमन खू रहे हैं लेकिन जनता को राहत देने के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकारें कुछ नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों पर भी सरकार जनता को इस बात का कोई उत्तर आज तक नहीं दे पाई है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की



कीमते न्यूनतम स्तर पर पहुंचने के बाद भी जनता को डीजल पेट्रोल महंगा क्यों मिल रहा है। श्री धमना ने कहा कि आज ही टाइम्स मैगजीन में दुनिया के सबसे शक्तिशाली सी लोगों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नंबर दस है ऐसा पिछले दस वर्षों में पहली बार हुआ है जिससे उनका दुनिया में डंका बज रहा है वाला ज़ुलमा भी फैल हो गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में डबल इंजन सरकारों की गिरती साख बचाने के लिए वक्फ कानून का शोर मचा कर लोगों का ध्यान भटकाने की योजना पर भाजपा कम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के

सर्वोच्च न्यायालय ने भी नए संशोधित वक्फ कानून के दो मुख्य प्रबंधनों पर जो रोक लगाई है उससे स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस ने लोकसभा राज्यसभा में जो सवाल उठाए हैं उनको कोर्ट ने चाखिब मान कर ही कुलाल प्रबंधनों पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि देश की आम जनता का वक्फ कानून से कोई लेना देना नहीं है किन्तु उसका राग अछाप कर भाजपा बहुसंख्यक समुदाय में भ्रूलियाँ फैला कर डर पैदा करना चाहती है। धमना ने कहा कि कांग्रेस भाजपा के इस नमस्ती एजेंडे के खिलाफ जनता के असली मुद्दों पर अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

एसडीआरएफ ने किया शव बरामद

देहरादून(संवाददाता)। जनपद चंपावत के पुर्णागिरि मंदिर क्षेत्र पैरव मंदिर के पास शव दिखाई देने पर एसडीआरएफ ने बरामद किया और जिला पुलिस को सौंप दिया गया।

इस अवसर पर बताया गया कि पुलिस थाना पैरव मंदिर द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि पैरव मंदिर के पास एक शव दिखाई दे रहा है जिसमें एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। इस दौरान सूचना पर एसडीआरएफ टीम मुख्य अरखी हरिश चंद के नेतृत्व में मय आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए खाना हो गये और अभियान में जुट गये। इस अवसर पर एसडीआरएफ टीम द्वारा घटना स्थल पर फुड्बकर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक अज्ञात शव को बाँधी बैग में डालकर शिनाखा के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।



कथक सीखने में महिलायें नहीं है पीछे



देहरादून(नगर संवाददाता)। कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा सप्त दिवसीय कार्यशाला के चतुर्थ दिवस पर एच विभूषण पंडित विरजू महाराज की शिष्या संगीता सिंह के शिष्य आशीष सिंह नृत्य भंजरी दास ने कहा कि देहरादून में जहाँ एक तरफ युवा विद्यार्थी कथक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर रुचि ले रहे हैं और वहीं महिलाएं भी कथक सीखने में पीछे नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे जोश के साथ

कथक नृत्य की तालीम सीख रही हैं गिनती की गिनाह, तीन ताल की जानकारी के साथ हस्त मुद्राओं का सुंदर चलन भी सीख रहे हैं। इस अवसर पर अनेक विद्यार्थियों के गुरु श्री प्रशिक्षणार्थियों को सिराये गये और जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कन्या गुरुकुल परिसर की समन्वयक प्रोफेसर हेमंत पाठक, डॉक्टर ममता यादव, डॉक्टर सरिता नेगी, डॉक्टर नीना गुल, डॉक्टर अर्चना डिमरी, डॉक्टर रचना चौहान आदि मौजूद रहे।

की 24 मंडी समितियां

कथक नृत्य में युवाओं की बढ़ती रुचि

देहरादून: कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कथक कार्यशाला के चतुर्थ दिवस पर रंग, ताल और लय के साथ भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की मधुर छवि उभर कर सामने आई। कार्यशाला में युवा विद्यार्थियों के साथ-साथ महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो कथक के प्रति बढ़ती हुई रुचि का प्रतीक है। कार्यशाला में पं. बिरजू महाराज की शिष्या संगीता सिंह के शिष्य आशीष सिंह नृत्य मंजरी दास ने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि आज की युवा पीढ़ी कथक जैसी परंपरागत कला को न केवल सीखने में रुचि दिखा रही है, बल्कि उसकी गहराइयों को समझने का प्रयास भी कर रही है। उन्होंने कहा विद्यार्थी पूरे जोश के साथ कथक की बारीकियों को सीख रहे हैं चाहे वह गिनती की तिहाई हो, तीन ताल की समझ, या फिर हस्त मुद्राओं का सुंदर चलन। इस अवसर पर कथक की तकनीक के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों, अनुशासन और आत्म-अनुशासन के पाठ भी पढ़ाए गए। विभिन्न विधाओं के गुरुओं द्वारा विद्यार्थियों को न केवल कला की शिक्षा दी जा रही है, बल्कि उसे जीवन में उतारने का भी संकल्प कराया जा रहा है।

नेताओं की लाइन लंबी, कुर्सियां खाली

भाजपा के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता हर शहर, हर जिले में टकटकी लगाए देख रहे हैं कि कब मंडी समितियों की कुर्सियां भरे और वे इनमें आकर खुद को सम्मानित महसूस करें। लेकिन इंतजार अब तक सिर्फ इंतजार है।

यूपी में अफसरशाही से चलती हैं मंडियां

उत्तराखंड में मंडी समितियों के अध्यक्षों की कुर्सियों पर सियाली नजरें टिकी हैं, वहीं पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में मानला बिल्कुल अलग है। वहीं मंडी समितियों में अध्यक्ष बनने जाने का कोई रिवाज ही नहीं है। यूपी में मंडियों का संचालन एक पीसीएस (पब्लिक सिविल सर्विस) स्तर के अधिकारी के हाथ में होता है, जो प्रशासक के तौर पर पूरी जिम्मेदारी निभाता है, प्रशासनिक भी और वित्तीय भी। यानी न कोई सियाली नियुक्ति, न कोई दायित्व का खेल। पुरा सिस्टम प्रशासकीय दक्षता के आधार पर चलता है।

जल्द होगी अध्यक्षों की नियुक्ति: कृषि मंत्री

प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बयान दिया है कि वर्तमान में सक्रिय कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपने का काम चल रहा है। और कार्यकर्ताओं की कतार इतनी लंबी है कि ये काम पहले पूरा करना जरूरी है। जोशी ने ये भी कहा कि मंडी समितियों में अध्यक्षों की नियुक्ति जल्द होगी, ताकि प्रशासनिक और वित्तीय कामकाज सुचारु रूप से चले।

जिम्मेदारी है : डंगवाल बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उत्तराखंड क्रांति दल सख्त



तक नहीं, नागरिक ओजस्वी ग हजारे, ग जूनियर गौरा देवी लोग सत्ता में, लेकिन भारत और वाद और नेतृत्व की नेतृत्व केवल कुर्सी नहीं, यह सेवा की भावना है, जिम्मेदारी है। ब्रिगेडियर डंगवाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नेतृत्व को केवल एक करियर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी समझें। उन्होंने कहा कि यदि युवा जागरूक होकर नेतृत्व करें, तो देश का कार्याकल्प निश्चित है। इस विमोचन समारोह में यह स्पष्ट हुआ कि डंगवाल की लेखनी केवल शब्दों की नहीं, बल्कि विचारों की बानगी है। उनका संदेश था नेतृत्व अधिकार नहीं, कर्तव्य है। और यह कर्तव्य हर नागरिक का है जो अपने



● जनवाणी संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में बढ़ते अपराध और पुलिस प्रशासन की गिरती साख पर चिंता जताते हुए उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने आज सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रदेश सरकार से ठोस कार्यवाही की मांग की। दल ने हरावाला पुलिस चौकी पर हुए हमले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यदि पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी 2 मईतार अपराध विरोधी राजत

अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस के पीछे पुलिस की नरमी और लापरवाही भी एक बड़ा कारण है। ज्ञापन में कहा गया, रोजनता के लिए मित्र पुलिस होना सराहनीय है, लेकिन अपराधियों से मित्रता घातक सिद्ध हो रही है। ज्ञापन में कहा गया कि उत्तराखंड कभी अपराधमुक्त क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन राज्य बनने के बाद अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। उक्रांद ने शांति, सौहार्द और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की परतों को बहाल करने का आग्रह किया कि वर्तमान